गुरु पूजा-२००८
कबेला में पूजा पश्चात श्री माताजी का आदेश

श्रीमाताजी: आप एक सैन्ट्रल कमेटी अवश्य बनाएं ....सैन्ट्रल कमेटी. लन्दन में, यहाँ या जहाँ आप चाहें। एक सैन्ट्रल कमेटी। फिर आप सब को सूचित करें कि क्या कार्य हो रहा है। ठीक है ना ?

सहजयोगी: जी श्रीमाताजी

सहजयोगी: हमारे यहाँ है, श्रीमाताजी

सहजयोगी: वर्ल्ड काउन्सिल की तरह ?

सहजयोगी: हमारी एक काउन्सिल है श्रीमाताजी ।

श्रीमाताजी: आपको बताना होगा कि क्या हो रहा है। कोई सैन्ट्रल कमेटी। आप लगभग पाँच (लोग) सदस्य ले सकते है।

सहजयोगी: संवाद (सूचना), संवाद के लिए?

श्रीमाताजी: नहीं, नहीं। संवाद (सूचना) के लिए।

ग्रेगॉर: जी श्रीमाता जी।

श्री माताजी: मेरा अभिप्राय यह है कि यदि किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो आप देख सकते हैं।

सहजयोगी: जी श्रीमाताजी

सहजयोगी: यहाँ पे ? कबेला में? कबेला में बनाएं?

श्रीमाताजी: क्या ?

सहजयोगी: काउन्सिल बनाएंगे?

सहजयोगी: नई कमेटी, कमेटी।

श्रीमाताजी: नहीं, कहीं भी बनाओ।

सहजयोगी: जी, अच्छा जी।

श्रीमाताजी: जहाँ भी चाहो।

सहजयोगी: जी

श्रीमाताजी: चार- पाँच देशो से ले लो।

सहजयोगीः जी

श्रीमाताजीः एक यहाँ बनाओ, एक इंडिया (भारत) में बनाओं।

सहजयोगीः जी श्रीमाताजी।

श्रीमाताजीः है ना।

सहजयोगीः जी श्रीमाताजी

श्रीमाताजीः यदि यहाँ कोई समस्या हो तो आप बताइए अब भारत में।

सहजयोगीः जी श्रीमाताजी

श्रीमाताजीः और तब मुझे बताइए।

सहजयोगीः जी श्रीमाताजी, बिल्कुल ठीक है।

श्रीमाताजीः अपनी आँखों में काजल लगाया करें। आप नहीं पहनते? पहना करो। कया आप बहुत अधिक पढते हैं?

सहजयोगीः जी पढता हूँ। बहुत अधिक नहीं।

श्रीमाताजीः आपकी आँखें कुछ खराब हो रही हैं।

सहजयोगीः जी

श्रीमाताजीः चलें?

सहजयोगीः जी श्री माता जी।

श्रीमाताजीः कुर्सी ले आओ।

(श्रीमाताजी कार मे बैठते समय)...

श्रीमाताजीः आप एक सैन्ट्रल कमेटी गठन कर सकते हैं...

सहजयोगीः जी

श्रीमाताजीः उनकी सहमती से...करिब 90 लोगों की।

सभी सहजयोगीः बोलो श्री आदिगुरु माताजी निर्मला देवी की जय...

...जय श्रीमाताजी!

Source: http://youtu.be/gHojUpoZREE